दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जी० आई० पाइप की दर संविदा की घोषणा कर दी गई है ;

(ख) यदि नहीं, तो अभी तक इसकी घोषणा न किये जाने के क्या कारण हैं और यह घोषणा कब तक कर दी जायेगी;

(ग) वर्ष 1989-90 में जी० आई० पाइप की दर-संविदा की तुलना में दिनांक 26 मार्च, 1991 की नई दर संविदा में कितने प्रतिशत की वृद्धि थी;

(घ) क्या यह सच है कि वर्ष 1990-91 में जी० आई० पाईप की दर संविदा बहुत कम थी और इसका प्रभाव इसकी आपूर्ति पर पड़ा था;

(ङ) दिनांक 26 मार्च, 1991 की दर संविदा की तुलना में 20 अप्रैल, 1992 को जी० आई० पाइप की पुनः प्राप्त हुई दर संविदा में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है;

(च) कम्पनियों को अपनी दरों में वृद्धि करने की कितनी बार अनुमति दी गई थी; और

(छ) क्या सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कम्पनियों को पुनः अपनी दरों में 20 अप्रैल, 1992 को प्राप्त हुई नई दरों से अधिक की वृद्धि करने की अनुमति नहीं दी जायेगी ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) जी, नहीं। मैसर्स टिस्को, के साथ तय की गई पूर्व दर संविदा के अलावा अभी तक आगे कोई भी दर संविदा तय नहीं की जा सकी है।

(ख) अन्य जिन फर्मों ने एक पूल के रूप में दरें प्रस्तुत की हैं, उनके साथ अभी तक दर संविदा तय नहीं की जा सकी है क्योंकि मैसर्स टिस्को जिनके साथ पहले ही एक दर संविदा तय की गई है, की न्यूनतम दरों की तुलना में इनकी दरें अधिक हैं। दरों को कम कराने के उद्देश्य से बातचीत के कई दौर किये गए हैं और दर संविदाओं को शीघ्र अंतिम रूप देने हेतु सभी सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं।

(ग) और (ङ) जी० आई० पाइपों के विनिर्माण में स्टील तथा जिंक प्रमुख कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त होते हैं और इनके मूल्यों में परिवर्तन होने की स्थिति में दर संविदा में मूल्य परिवर्तन का प्रावधान रखा गया है। वर्ष 1989-90 के लिये दर संविदाओं के तय करने के बाद भुगतान इस वृद्धि प्रावधान, जहां लागू है, के अनुसार किये जाते हैं। दिये गए विवरण (**नीचे देखिए**) में इस वृद्धि को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1989-90 के लिये दर संविदा के तहत देय मूल्य निर्दिष्ट किये गये हैं। मैसर्स टिस्को द्वारा दिनांक 26-3-91 को कोट किये गये दर वर्ष 1989-90 की दर संविदा के बढ़े हुए मूल्यों के अन्तर्गत थे। विवरण में अन्य कम्पनियों द्वारा दिनांक 26-3-91, 20-4-91 को कोट किये गये रिंग मूल्य तथा प्रतिशत वृद्धि भी निर्दिष्ट है।

[**देखिए** परिशिष्ट 163, अनुदेश सं० 18]

(घ) वर्ष 1990-91 के लिये दर संविदा मूल्य वर्ष 1989-90 की दर संविदा मूल्यों की तुलना में कम थे। तथापि, कुल 70,000 मी० टन के अनुमानित वार्षिक आहरण के लिये फर्मों ने 52,000 मी० टन० की न्यूनतम मात्रा की पूर्ति करना स्वीकार कर लिया है।

(च) तथा (छ) एक बार दर संविदा तय होने पर कम्पनियों को, वृद्धि सूत्र के अनुसार वृद्धि को छोड़कर, अपनी दरें बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जाती है।

Promotion for Export of Software

682. SHRI S. K.T. RAMACHANDRAN : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) what steps have been taken by Government to promote Software export; and

(b) what encouragement and concessions are in the offing of Government to export Software from the area of Civil, Mechanical and technical designs ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Sofaware has been identified as one of the thrust items of export. Steps taken by Government to promote software export include *inter-alia*, exemption from income tax on software export earnings, liberalisation in the import of computer systems for software exports at concessional rates of import duty under the Capital Goods Export Promotion Scheme, setting up of software technology parks in India under a scheme of Department of Electronics, conducting market surveys, buyer-seller meets, contact promotion progrommes and seminars.

(b) Encouragement and concessions are given to the entire software industry irrespective of their area of specialisations.

Organisation of a Fair in U.S.A. by T.F.A.I.

683. SHRI SURESH KALMADI : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Trade Fair Authority of India has organised a Heimtextil America Fair at Atlanta, USA from April 6 to 9, 1992 ;

(b) if so, what is the number of the Indian firms which participated in that fair ; and

(c) what is the amount of the business fetched by Indian firms in the said fair ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED) : (a) and (b) Trade Fair Authority of India (now India Trade Promotion Organisation) organised a group participation of Indian firms at the Heimtextil America Fair at Atlanta, USA and 21 Indian firms participated in the fair.

(c) On the basis of the reports furnished by the participants, the value of business finalised was Rs. 1 crore and business under negotiation was Rs. 13.28 crores.

मोटे अनाज का निर्यात

684. **श्री राम नरेश यादव :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990-91 और 1991-92 के वर्षों के दौरान निर्यात किये गये मोटे अनाज का ब्यौरा क्या है;

(ख) इसके परिणामस्वरूप कितनी अतिरिक्त विदेशी मुद्रा अर्जित की गई; और

(ग) 1992-93 के वर्ष के लिये ऐसे मोटे अनाज के निर्यात का क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सलमान खुर्शीद) : (क) और (ख) वर्ष 1990-91 और अप्रैल, '91 से जनवरी, '92 के दौरान मोटे अनाजों का निर्यात नीचे दिया गया है :-

	1990-91	1991-92 (अप्रैल, '91 जनवरी '92)
मात्रा (एमटी)	7310	9256
मूल्य (लाख रुपया)	277	432

स्रोत—डी जी सी आई एण्ड एस कलकत्ता

(ग) वर्ष 1992-93 के दौरान मोटे अनाजों के निर्यात का कोई निश्चित् लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है ।

उद्योगों पर आधारित कृषि और इसके सहायक उत्पादों को अपने उत्पाद स्वदेशी बाजार में बेचने की अनुमति

685. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि और इसके सहायक उत्पादों पर आधारित उद्योगों को अपने उत्पाद का 50 प्रतिशत उत्पादन निर्यात प्रसंस्करण जोन और निर्यातोन्मुखी एककों के अन्तर्गत स्वदेशी बाजार में बेचने की अनुमति प्रदान की गयी है ;